सर्वोदय फाउण्डेशन की विनम्र प्रस्तुति

हमारी संस्कृति हमारा गौरव

# डाक टिकटों पर जैन संस्कृति

अहिंसा से ही सम्भव है विश्वशान्ति

# शुभकामनाऐं

प्रकाशक
डा॰ ज्योति जैन, मंत्री सर्वोदय फाउण्डेशन
डिग्री कॉलेज कैम्पस, रेलवे रोड़, खतौली–251201 (उ॰प्र॰)
फोन नं॰ 01396-273339, मो॰ 9412678256

## डाक टिकट का इतिहास

वर्तमान युग में संचार के प्रमुख माध्यमों में डाक व्यवस्था का महत्त्वपूर्ण योगदान है। भारत में डाक सेवा की सार्वजनिक शुरूआत 1837 ई॰ में हुई। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रकाशित 'भारत 2006' पृष्ठ 172 के अनुसार 'एक अक्टू0 1854 को भारत की डाक प्रणाली की वह बुनियाद पड़ी जिस पर वह आज खड़ी है।' आज हमारे देश में डाकघरों की संख्या 1,55,669 है। इनमें 1,39,149 ग्रामीण और 16500 शहरी इलाकों में हैं। वर्तमान में पोस्टकार्ड, पत्र, लिफाफे आदि डाक विभाग स्वयं छापता है, किन्तु जब उपभोक्ता अपने छपे या बिना छपे पत्र डालना चाहता है तो उतने ही मूल्य के डाक टिकट लगाना पड़ते हैं।

आज तरह–तरह के विभिन्न मूल्य वर्गों के डाक टिकट उपलब्ध हैं। विश्व में हजारों तथा भारत में लगभग 40–50 स्मारक / विशेष डाक टिकट प्रतिवर्ष जारी होते हैं। 'भारत 1993' के अनुसार भारत में पहला डाक टिकट 1852 में करांची में जारी किया गया था। यह केवल सिन्ध प्रान्त के लिए वैध था। कलकत्ता की टकसाल में मुद्रित पहला भारतीय टिकट 1854 में जारी हुआ। नवम्बर, 1855 में यह टकसाल बन्द हो गई, तब इन्हें लन्दन में छापा गया। 1925 में नासिक में 'इंडिया सिक्युरिटी प्रेस' की स्थापना हुई, जहाँ से (तथा कलकत्ता सिक्युरिटी प्रिंटर्स लि0 से) आजकल डाक टिकट छापे जा रहे हैं।

डाक टिकटों पर समय–समय पर महापुरुषों, मन्दिरों, भवनों, लता–वृक्षों, विशेष सन्देशों या समसामयिक घटनाओं, उत्सवों को दर्शाने वाले चित्र प्रकाशित होते हैं। जब कोई टिकट जारी होता है तो उसके साथ प्रथम दिवस आवरण (First Day Cover), विवरणिका (Brochure or Information Sheet) तथा प्रथम दिवस मोहर *(विरूपण)* *(First Day Cancellation)* भी जारी होते हैं। विशेष अवसरों पर केवल विशेष आवरण तथा / या मोहर भी जारी किये जाते हैं। डाक टिकट संग्रह की अभिरुचि को फिलेटेली (Philately) कहते हैं। इसे अभिरुचियों का राजा (King of Hobbies) कहा गया है।

## जैन संस्कृति

राष्ट्र के विकास में जैन धर्म, साहित्य, संस्कृति ने अविस्मरणीय योगदान दिया है। जैन संस्कृति के मूल मंत्र अहिंसा के बल पर ही पूज्य बापू ने देश को आजादी दिलाई थी। भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन में भी 20 जैन शहीद हुए तथा लगभग 5 हजार पुरुष–महिलाओं ने जेल यात्रा की। भारत के संविधान निर्माण में भी जैनों ने महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। संविधान की मूल प्रति के पृष्ठ 63 पर भ॰ महावीर का चित्र अंकित है। कृतज्ञ राष्ट्र ने समय–समय पर जैन संस्कृति–व्यक्ति विषयक डाक टिकट तथा विशेष आवरण–विरूपण आदि जारी किये हैं। लगभग 25 डाक टिकट तथा शताधिक विशेष आवरण–विरूपण आदि जारी किये जा चुके हैं। यहाँ जैन व्यक्तियों–अवसरों पर जारी डाक टिकटों का परिचय दिया जा रहा है। 'अन्य डाक टिकट' के अन्तर्गत अन्य अवसरों पर जैन संस्कृति से सम्बन्धित डाक टिकटों का परिचय है।

## प्रथम डाक टिकट

विश्व का प्रथम डाक टिकट 6 मई, 1840 को प्रयोग में आया। भारत सरकार ने इसके 150 वर्ष होने पर एक डाक टिकट जारी किया

## विशेष आवरण, फोल्डर, विशेष मोहर

डाक टिकट के साथ तथा कभी–कभी स्वतन्त्र रूप से जारी होने वाला प्रथम दिवस आवरण।

(यह आवरण सुप्रसिद्ध जैन संत क्षुल्लक 105 श्री गणेश प्रसाद वर्णी की 125 वीं जन्म जयन्ती पर जारी किया गया।)

डाक टिकट के साथ ही जारी होने वाली विवरणिका (फोल्डर, ब्रोशर या इन्फार्मेशन सीट) Brochure or Information Sheet.

(यह विवरणिका डा॰ जगदीश चन्द्र जैन पर जारी हुए डाक टिकट के साथ की है।)

### विशेष मोहर (1)

श्रीमज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा एवं त्रय गजरथ महोत्सव, बिलासपुर (छ॰ग॰) के अवसर पर 24 जनवरी, 2004 को आचार्य विद्यासागर जी महाराज पर जारी विशेष मोहर

### विदेश में जारी जैन डाक टिकट

1979 में भारतीय चित्रकला श्रृंखला के अन्तर्गत भ॰ महावीर के चित्र को दर्शाता पूर्व जर्मनी में जारी किया गया डाक टिकट

### विशेष मोहर (2)

मई, 1935 में किंग जार्ज पंचम के राज्यारोहण की रजत जयन्ती के अवसर पर जारी सात टिकटों के सेट में सवा आने के टिकट पर कलकत्ता के प्रसिद्ध शीतलनाथ जैन मंदिर का चित्र

15 अगस्त, 1949 को जारी 15 रु॰ के डाक टिकट पर विश्वप्रसिद्ध शत्रुञ्जय के जैन मंदिर का चित्र

30 दिसम्बर, 1972 को प्रसिद्ध वैज्ञानिक डा॰ विक्रम अम्बालाल साराभाई (जैन) की प्रथम पुण्य तिथि पर जारी 20 पैसे मूल्य का डाक टिकट

13 नवम्बर, 1974 को तीर्थंकर भ॰ महावीर के 2500 वें निर्वाण महोत्सव पर जारी 25 पैसे मूल्य का डाक टिकट

9 फरवरी, 1981 को भ॰ गोम्मटेश्वर बाहुबली की प्रतिमा के सहस्राब्दी महोत्सव पर जारी एक रुपये मूल्य का डाक टिकट

9 मई, 1988 को प्रसिद्ध शिक्षाविद् तथा अध्यापक श्री भाउराव पाटिल पर जारी 60 पैसे मूल्य का डाक टिकट

29 अगस्त, 1991 को प्रसिद्ध जैन मुनि श्री मिश्रीमल जी महाराज की स्मृति में जारी एक रुपये मूल्य का डाक टिकट

20 दिसम्बर, 1994 को बड़ौदा संग्रहालय की 100वीं वर्षगांठ पर जारी दो टिकटों का जोड़ा, जिसमें संग्रहालय में रखी प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव की तांबे की मूर्ति को दर्शाया गया है।

28 जनवरी, 1998 को प्राकृत एवं जैनागम के विश्व विख्यात विद्वान् डा॰ जगदीश चन्द्र जैन की स्मृति में जारी दो रुपये मूल्य का डाक टिकट

20 अक्टूबर, 1998 को अणुव्रत आन्दोलन के प्रवर्तक प्रसिद्ध जैन मुनि आचार्य श्री तुलसी की स्मृति में जारी तीन रुपये मूल्य का डाक टिकट

31 दिसम्बर, 2000 को दानवीर राजा भामाशाह पर जारी तीन रुपये मूल्य का डाक टिकट

6 अप्रैल, 2001 को भ॰ महावीर के 2600 वें जन्मकल्याणक महोत्सव पर जारी तीन रुपये मूल्य का डाक टिकट

21 जुलाई, 2001 को जैन सम्राट् चन्द्रगुप्त पर जारी चार रुपये मूल्य का डाक टिकट

17 नवम्बर, 2001 को भारतीय सिनेमा जगत की प्रसिद्ध हस्ती 'जैन समाजरत्न' उपाधि से विभूषित व्ही॰ शान्ताराम पर जारी चार रुपये मूल्य का डाक टिकट

9 अगस्त, 2002 को पूज्य आनन्द ऋषि जी महाराज के जन्म दिवस पर जारी चार रुपये मूल्य का डाक टिकट

30 जून, 2004 को तेरापंथ के संस्थापक आचार्य भिक्षु पर जारी पाँच रुपये मूल्य का डाक टिकट

27 मई, 2004 को सुप्रसिद्ध जैन अन्वेषक इन्द्रचन्द्र शास्त्री पर जारी पाँच रुपये मूल्य का डाक टिकट

23 नवम्बर, 2004 को सुप्रसिद्ध उद्योगपति श्री वालचंद हीराचंद (जैन) पर जारी पाँच रुपये मूल्य का डाक टिकट

2 दिसम्बर, 2005 को वरिष्ठ स्वतंत्रता सेनानी और पत्रकार श्री जवाहरलाल दर्डा (जैन) पर जारी पाँच रुपये मूल्य का डाक टिकट

## अन्य डाक टिकट

1 जुलाई, 1966 को भारतीय पुरातत्त्व श्रृंखला पर जारी (खजुराहो के पार्श्वनाथ जैन मंदिर पर अंकित पत्र लिखती नायिका)

10 जनवरी, 1975 को विश्व हिन्दी सम्मेलन तथा 12 अप्रैल 1975 को विश्व तेलगु सम्मेलन पर जारी [पल्लू (वर्तमान में राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली) की जैन सरस्वती]

27 जुलाई, 1978 को कच्छ म्यूजियम पर जारी (गुजरात के प्राचीन जैन मंदिर का ऐरावत हाथी)

6 मार्च, 1999 को खजुराहो के सहस्राब्दी महोत्सव पर जारी (खजुराहो के पार्श्वनाथ जैन मंदिर पर अंकित अप्सरा)

परिकल्पना एवं प्रस्तुति : **डा॰ कपूरचंद जैन, डा॰ (श्रीमती) ज्योति जैन**

© डा॰ ज्योति जैन
बिना लिखित अनुमति के इस फोल्डर या अंश को छापना कानूनन निषिद्ध है।

Deep Printers/25925099